

जनजातियाँ, घुमंतू एवं एक स्थान पर बसे हुए समुदाय

परिचय

मध्यकालीन भारत में समाज विभिन्न प्रकार के समुदायों से मिलकर बना था, जिनमें **जनजातियाँ, घुमंतू समुदाय और स्थायी रूप से बसे हुए लोग** शामिल थे। इन सभी की जीवन-शैली, आजीविका और संस्कृति अलग-अलग थी। कुछ लोग गाँवों और नगरों में स्थायी रूप से रहते थे, जबकि कुछ लोग भोजन, पानी और पशुओं के लिए चरागाह की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते थे।

जनजातियाँ

जनजातियाँ कौन थीं?

जनजातियाँ ऐसे लोगों के समूह थे जिनकी अपनी समान भाषा, संस्कृति, परंपराएँ और रीति-रिवाज होते थे।

जनजातियों की विशेषताएँ:

- जंगलों, पहाड़ों और दूर-दराज़ क्षेत्रों में निवास।
- कृषि, शिकार, मछली पकड़ना तथा वन उत्पादों पर निर्भरता।
- अपनी सामाजिक एवं राजनीतिक व्यवस्था।
- पारंपरिक रीति-रिवाजों और मान्यताओं का पालन।

प्रमुख जनजातियाँ थीं—**गोंड, भील, संथाल, अहोम और गक्कड़**।

घुमंतू समुदाय

घुमंतू जीवन

घुमंतू वे लोग थे जो स्थायी रूप से एक स्थान पर नहीं रहते थे, बल्कि समय-समय पर स्थान बदलते रहते थे।

वे निम्न कारणों से यात्रा करते थे—

- पशुओं के लिए चरागाह की खोज।
- भोजन और पानी की उपलब्धता।

- व्यापार और आजीविका के अवसर।

कुछ घुमंतू व्यापारी, चरवाहे, कारीगर और कलाकार भी थे।

स्थायी रूप से बसे हुए समुदाय

स्थायी निवास

ये लोग गाँवों और नगरों में स्थायी रूप से रहते थे।

इनके मुख्य व्यवसाय थे—

- कृषि
- पशुपालन
- व्यापार
- हस्तशिल्प एवं अन्य व्यवसाय

इन समुदायों के कारण गाँव, नगर और राज्यों का विकास हुआ।

जनजातीय समाज

सामाजिक जीवन

प्रत्येक जनजाति का अपना मुखिया होता था जो समुदाय का नेतृत्व करता था।

मुख्य विशेषताएँ—

- परिवार और समुदाय में एकता।
 - सभी लोगों की सहभागिता।
 - प्रकृति और जंगलों के प्रति सम्मान।
 - त्योहार और परंपराओं का विशेष महत्व।
-

मध्यकाल में परिवर्तन

विकास एवं परिवर्तन

समय के साथ कई जनजातियों ने कृषि अपनाई और स्थायी रूप से बस गईं।

कुछ जनजातीय प्रमुख शक्तिशाली शासक बने और उन्होंने अपने राज्य स्थापित किए।

उदाहरण—

- **गोंडों** ने मध्य भारत में गोंड राज्य स्थापित किए।
- **अहोमों** ने असम में एक शक्तिशाली राज्य की स्थापना की।

इन परिवर्तनों ने मध्यकालीन भारत की सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित किया।

जनजातियों एवं घुमंतू समुदायों का महत्व

समाज में योगदान

इन समुदायों ने—

- वनों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा की।
- विभिन्न क्षेत्रों के बीच व्यापार को बढ़ावा दिया।
- अपनी संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखा।
- कृषि और पशुपालन के विकास में योगदान दिया।

इनकी जीवन-शैली ने भारतीय समाज को विविधता प्रदान की।

मुख्य बिंदु

- जनजातियों की अपनी अलग संस्कृति और परंपराएँ थीं।
- घुमंतू लोग आजीविका के लिए स्थान बदलते रहते थे।
- स्थायी समुदाय गाँवों और नगरों में रहते थे।
- कई जनजातियाँ बाद में किसान और शासक बनीं।
- जनजातीय समाज ने भारत की संस्कृति और अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाया।
- मध्यकालीन भारत में विविध समुदायों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अध्याय सारांश

इस अध्याय में मध्यकालीन भारत की **जनजातियों, घुमंतू समुदायों और स्थायी रूप से बसे हुए लोगों** के जीवन का अध्ययन किया गया। इन सभी समुदायों की अपनी अलग जीवन-शैली, संस्कृति और आजीविका थी। समय के साथ कई जनजातियाँ कृषि अपनाकर स्थायी रूप से बस गईं तथा कुछ ने अपने राज्य भी स्थापित किए। इन समुदायों ने भारतीय इतिहास, संस्कृति और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।